an>

Title: Need to provide additional funds for drinking water project in Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) ः राजस्थान में 16 हज़ार 500 से अधिक गांव ऐसे हैं जहां लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। बचपन में ही बच्चे बीमारियों से घिर रहे हैं। राज्य की एक बड़ी आबादी फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। हर तीसरा गांव फ्लोराइड की समस्या से प्रभावित है। इसके अलावा राज्य में मौसम की मार और जल संसाधनों की कमी के कारण पीने के पानी की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां 35 में से 20 जिलों में प्रतिवर्ष अकाल की स्थिति बनी रहती है। मानसून की असफलता के कारण पानी के स्रोत सूख गए हैं। बढ़ती जनसंख्या एवं भूजल पर बढ़ती निर्भरता से अत्यधिक पानी के लिए गहरी खुदाई की जारही है जिसके परिणामस्वरूप भूजल जल स्तर प्रतिवर्ष घट रहा है। सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा इस संदर्भ में विभिन्न अध्ययन किए जा चुके हैं परंतु ये अध्ययन शीघ्र ही पुराने हो जाते हैं क्योंकि फ्लोराइड तत्व से प्रभावित गांवों की सूची में सतत नए गांव जुड़ते जा रहे हैं। ऐसे में राज्य में पेयजल की स्थिति सुधारने के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि राज्य में लोगों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति करने हेतु विशेष योजना बनाकर अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।